22 OCT 10 2026.qxd 21-10-2026 22:29 Page 1

अथलेटिक्समें स्वर्णकी बौछार

एशियाई पैरा खेल : ट्रैक और फील्ड खिलाड़ियोंने पांच स्वर्ण सहित १८ पदक जीते, भारत पांचवें स्थानपर


सिमरन शर्मा


प्रवीण


सचिन खिलारी

नागोया (एजेन्सियां)। फर्राटा धाविका सिमरन, ऊंची कूद में प्रवीण कुमार और शाटपुट में सचिन खिलारी ने नये रेकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीते और ट्रैक और फील्ड खिलाड़ियों ने बुधवार को पांच स्वर्ण समेत १८ पदक भारत की झोली में डालकर पदक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंचा दिया। सिमरन (महिलाओं की १०० मीटर टी१२), प्रवीण (पुरुषों की ऊंची कूद टी४४.६४) और सचिन (पुरुष शाटपुट एफ४६) के अलावा दिलीप गावित (पुरुषों की १०० मीटर टी४७) और आयुष वर्मा (पुरुषों की शाटपुट एफ५३) ने भी सुनहरी सफलता हासिल की। पुरुषों की शाटपुट एफ४६ स्पर्धा में भारत ने 'क्लीन स्वीप' करते हुए तीनों पदक जीते। पैरा तीरंदाजी, पैरा तैराकी और पावरलिफ्टिंग में भी भारत ने पदक जीते। भारत को अब तक मिले १४ में से १३ स्वर्ण पैरा अथलेटिक्स दल ने जीते हैं। भारत ने २१ रजत (१३ अथलेटिक्स में) और २७ कांस्य (१६ अथलेटिक्स में) समेत कुल ६२ पदक अपने नाम किये हैं। सिमरन ने १२.०२ सेकेंड के खेलों के रेकार्ड समय के साथ महिला १०० मीटर टी१२ स्पर्धा जीतकर एशियाई पैरा खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने मंगलवार को खेलों के नये रेकार्ड के साथ २०० मीटर स्पर्धा में स्पर्धा पदक जीता था। प्रीति ने महिलाओं की १०० मीटर टी३५ स्पर्धा में रजत पदक जीता। वह मंगलवार को २०० मीटर टी३५ में दूसरे स्थान पर रही थी। भारत को दिन का पहला पदक आयुष वर्मा ने दिलाया जिन्होंने पुरुषों की शाट पुट एफ५३ स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर अपने खाते में दूसरा पदक जोड़ा। आयुष ने अपने पांचवें प्रयास में ८.१६ मीटर का थ्रो करके पहला स्थान हासिल किया। इसके बाद प्रवीण कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी४४/६४ स्पर्धा में खेलों के नये रेकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि बंटी ने इसी स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। प्रवीण ने २.०५ मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक जबकि बंटी ने १.९२ मीटर की कूद के साथ रजत पदक हासिल किया। पुरुषों की शॉटपुट एफ४६ स्पर्धा में सचिन खिलारी ने एशियाई पैरा खेलों के नये रेकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के ही मोहम्मद यासर ने तीसरे प्रयास में १५.०६ मीटर का थ्रो करके रजत पदक जीता जबकि परवीन १४.९४ मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। सुबह के सत्र में बंटी (पुरुषों की ऊंची कूद टी४४/६४), भाग्यश्री जाधव (महिलाओं के शाट पुट एफ३४), मोहम्मद यासर (पुरुषों के शाट पुट एफ४६) और मनजीत (पुरुषों के भाला फेंक एफ१२/१३) ने रजत पदक अपने नाम किये। अनुभव चौधरी (पुरुषों की १०० मीटर टी३५), परवीन (पुरुषों का शाट पुट एफ४६) और राकेशभाई भट्ट (पुरुषों की १०० मीटर टी३७) ने कांस्य पदक जीते। दिलीप गावित ने पुरुषों की १००मीटर टी४७ स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि भारत के ही मोहम्मद मोर्सिंगनाकथ को रजत पदक मिला। टी४६ खिलाड़ी गावित ने १०.६९ सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण हासिल किया। वहीं टी४७ खिलाड़ी मोर्सिंगनाकथ ने १०.७२ सेकंड का समय निकाला। सुखचैन ने पुरुष भाला फेंक एफ५५ स्पर्धा में २९.९४ मीटर के प्रयास से कांस्य पदक जीता। शरथ माकनहल्ली ने पुरुषों की १५०० मीटर टी१२ स्पर्धा में चार मिनट 11.01 सेकेंड के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ समय के साथ कांस्य पदक जीता। पैरालंपियन करमज्योति दलाल ने महिला चक्का फेंक एफ५५ स्पर्धा में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक जीता। वहीं शैलेष कुमार ने पुरुषों की ऊंची कूद टी४२/टी६१/टी६३ स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। शैलेष ५.५७ मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे। भारत के ही महेंद्र गुर्जर ५.५६ मीटर के प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे। जापान के हाजिमे कोंडो ने ६.५१ मीटर के खेलों के रेकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। थाईलैंड के फालाथिप खामता ने ६.४१ मीटर की कूद के साथ रजत पदक हासिल किया। शैलेष ने ५.४० मीटर के साथ शुरुआत की और दूसरे प्रयास में ५.४४ मीटर की कूद लगायी। उनका तीसरा प्रयास ५.५५ मीटर का रहा जबकि चौथा प्रयास फाउल था। पांचवें प्रयास में उन्होंने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ५.५७ मीटर की कूद लगायी।




आयुष वर्मा

पैरा बैडमिण्टन

कृष्णा-सिवाराजन को एसएच६ में रजत

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के कृष्णा नागर और सिवाराजन सोलाइमलाइ ने एशियाई पैरा खेलों की पुरूष युगल एसएच६ बैडमिंटन स्पर्धा में रजत पदक जीता जबकि एसएल४ वर्ग में भारत के तीन पदक पक्के हो गए । कृष्णा और सिवाराजन तीन मैचों में एक जीत और दो हार के बाद दूसरे स्थान पर रहे । सिर्फ चार टीमें होने के कारण ग्रुप में स्थिति के आधार पर पदक तय किये गये। चीन के लिन नेइली और किंगताओ जेंग ने तीनों मैच जीतकर स्वर्ण पदक जीता । इंडोनेशिया के अजी दिमास त्रि और सुभांतुक ने दो मैच गंवाने के बाद कांस्य पदक हासिल किया। एसएच६ श्रेणी पैरा बैडमिंटन में कम कद के खिलाड़ियों के लिए है। इससे पहले मौजूदा चैम्पियन सुहास एलवाई और दो अन्य खिलाड़ियों के सेमीफाइनल में पहुंचने से भारत ने पुरुषों के एकल एसएल४ बैडमिंटन प्रतियोगिता में तीन पदक पक्के कर दिये। वर्तमान में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और आईएएस अधिकारी सुहास ने कोरिया के चो नादान को २१-१२, २१-१६ से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी जहां उनका सामना इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान से होगा। सेतियावान ने क्वार्टरफाइनल के एक अन्य मैच में भारत के सुकांत कदम को २१-१७, १८-२१, २१-१५ से हराया। दूसरा सेमीफाइनल दो अन्य भारतीय खिलाड़ियों नवीन शिवकुमार और अभिजीत सखूजा के बीच खेला जायेगा। नवीन ने क्वार्टरफाइनल में कोरिया के शिन क्युंग ह्वान को २१-१४, २१-४ से जबकि अभिजीत ने हमवतन सूर्यकांत यादव को २१-१६, २१-१२ से हराया। एसएल४ श्रेणी में ऐसे खिलाड़ी भाग लेते हैं जिनके निचले अंग दिव्यांग होते हैं लेकिन दौड़ने में उनका संतुलन एसएल३ श्रेणी के खिलाड़ियों से बेहतर होता है।

शीतल-पायल ले आयीं चांदी स्वाति और आदिलको कांस्य

पैरा तीरंदाजी

नागोया (एजेन्सियां)। शीतल देवी और पायल नाग की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने बुधवार को यहां एशियाई पैरा खेलों में फाइनल में हारने के कारण रजत पदक हासिल किया जबकि स्वाति चौधरी और आदिल मुहम्मद नजीर अंसारी ने मिश्रित टीम डब्ल्यू१ रिकर्व में कांस्य पदक जीता। जन्म से ही बिना हाथों वाली शीतल तथा हाथ और पांव से दिव्यांग पायल स्वर्ण पदक के मुकाबले में चीन की जू जुएकिंग और झाओ जिंग से १४१-१५० से हार गयीं। भारतीय खिलाड़ी शुरू से ही चीन की खिलाड़ियों के सामने संघर्ष करती हुई दिखी। शीतल ने बेहतर खेल दिखाया और उन्होंने चार १० अंक हासिल किये लेकिन पायल उनकी तरह प्रदर्शन नहीं कर पायी। उन्होंने अपने अंतिम तीर पर सात अंक बनाये। इससे पहले वह केवल नौ और आठ अंक ही हासिल कर पायी थी। शीतल ने इस स्पर्धा में लगातार दूसरा रजत पदक जीता है। पिछले एशियाई पैरा खेलों में उन्होंने सरिता देवी के साथ जोड़ी बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया था। व्यक्तिगत स्पर्धा में भी वह स्वर्ण पदक की दावेदार हैं। जम्मू और कश्मीर के किश्तवार जिले में बसे लाइधर गांव की रहने वाली शीतल फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ जन्मजात स्थिति के कारण भुजाहीन पैदा हुई थी। आठ साल की उम्र में पायल ११००० वोल्ट की हाई-टेंशन बिजली की लाइन के संपर्क में आ गयी जिससे उनके हाथ और पांवों को काटना पड़ा था। इस बीच तोमन कुमार और श्याम सुंदर स्वामी की पुरुष युगल जोड़ी कांस्य पदक से चूक गयी। उन्हें चीन के ऐ शिनलियांग और झांग यिचेंग से १५३-१५४ से हार का सामना करना पड़ा। वहीं स्वाति और आदिल की जोड़ी ने मिश्रित टीम डब्ल्यू१ रिकर्व में कांस्य पदक जीता। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी कोरिया की किम ओक गियुम और पार्क होंग जो से २-६ से हार गयी। ड्रा में तीन ही टीमें होने के कारण कांस्य पदक का मुकाबला नहीं खेला गया। कोरिया ने चीन को शूटआफ में ५-४ से हराकर स्वर्ण पदक जीता।



कस्तूरी राजमणिने उठाया चांदी का भार

एशियाई पैरा खेल

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय पावरलिफ्टर कस्तूरी राजामणि ने बुधवार को यहां एशियाई पैरा खेलों में महिलाओं के ६७ किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता। तमिलनाडु की रहने वाली कस्तूरी ने अपने तीसरे और अंतिम प्रयास में १०८ किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया जबकि उनकी करीबी प्रतिद्वंदी किम ह्योंगहुई अपने अंतिम प्रयास में लड़खड़ा गयीं और उन्हें १०७ किलोग्राम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। उज्बेकिस्तान की रुखशोना उक्तामोवा ने १२७ किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। कस्तूरी ४२ वर्ष की है और उनके दोनों पैरों में पोलियो है। उन्होंने बचपन में ही अपनी मां को खो दिया था और उनका पालन पोषण उनकी दादी ने किया था। भारत का मौजूदा खेलों में पावरलिफ्टिंग में यह दूसरा पदक है। मंगलवार को अशोक कुमार मलिक ने पुरुषों के ६५ किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था।

तैराक हिमांशुने दूसरा कांस्य जीता

नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय तैराक हिमांशु नंदल ने बुधवार को यहां पुरुष १०० मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक एस११ स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहते हुए एशियाई पैरा खेलों में अपना दूसरा कांस्य पदक जीता। हरियाणा के रोहतक के इस २२ वर्षीय खिलाड़ी ने एक मिनट २०.७२ सेकेंड का समय निकाला। आप्टिक नर्व में खराबी के कारण वह जन्म से ही पूरी तरह दृष्टिबाधित हैं। चीन के यांग बोझुन ने एक मिनट १२.६९ सेकेंड के खेलों के रेकार्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि जापान के केइची किमुरा ने एक मिनट १२.७२ सेकेंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। हिमांशु ने मंगलवार को पुरुषों की ४०० मीटर फ्रीस्टाइल एस११ स्पर्धा में चार तैराकों के बीच पांच मिनट १०.९१ सेकेंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया और अपना पहला पदक जीता। खेल पृष्ठभूमि वाले परिवार से आने वाले हिमांशु को उनके पिता से प्रेरणा मिली जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर हाकी खेली थी। वह चार साल की उम्र में दिल्ली आ गये थे और यहां 'नेशनल असोसियेशन फार द ब्लाइंड' से जुड़े जहां उन्होंने ब्रेल लिपि सीखी। वर्ष २०२४ में वह पेरिस पैरालम्पिक के लिए न्यूनतम क्वालीफाइंग मानक हासिल करने वाले भारत के पहले पूर्ण दृष्टिबाधित तैराक बने। पैरा तैराकी में एस११ वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए है जिन्हें गंभीर दृष्टिबाधिता होती है। इसमें बेहद कम दृष्टि वाले या प्रकाश का बिल्कुल भी आभास नहीं कर पाने वाले खिलाड़ी शामिल हैं।

पहली राष्ट्रमंडल कबड्डी अहमदाबाद में कल से

अहमदाबाद (एजेन्सियां)। अहमदाबाद २३ से ३१ अक्तूबर तक पहली राष्ट्रमंडल कबड्डी चैम्पियनशिप की मेजबानी करेगा। नौ दिन चलने वाली इस प्रतियोगिता में १३ देश हिस्सा लेंगे। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) की स्वीकृति से भारतीय एमेच्योर कबड्डी महासंघ (एकेएफआई) द्वारा आयोजित इस चैम्पियनशिपमें २३ टीम और ४०० से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के दौरान ६२ मुकाबले होंगे। इसकी औपचारिक घोषणा बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में की गयी। भारतीय पुरुष टीम की कप्तानी सुरजीत सिंह करेंगे जबकि महिला टीम की कमान निधि शर्मा संभालेंगी। इस प्रतियोगिता में भारत, श्रीलंका, बांग्लादेश, नाइजीरिया, कीनिया, तंजानिया, कनाडा, सिंगापुर, मलेशिया, युगांडा, इंगलैण्ड, स्काटलैण्ड और आस्ट्रेलिया की टीमें हिस्सा लेंगी।

जीतके साथ आगाज करना चाहेगी टीम इण्डिया

भुवनेश्वर करेंगे वापसी, न्यूजीलैण्डके खिलाफ पहला टी-२० आज

क्राइस्टचर्च (एजेन्सियां)। पिछली दो टी-२० शृंखलाओं में अपराजेय रही भारतीय टीम को न्यूजीलैण्ड आकर आराम करने, अनुकूलन और अभ्यास के लिए दो ही दिन का समय मिला लेकिन अपने बल्लेबाजों के दम पर श्रेयस अय्यर की टीम जीत के साथ दौरे का आगाज करना चाहेगी। न्यूजीलैण्ड में पिछली बार भारत ने २०२२ में नेपियर में टी-२० मैच खेला था और वर्षाबाधित वह मैच डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर ड्रा रहा था। भारत ने वह शृंखला जीती थी चूंकि खराब मौसम के कारण एक ही मैच हो सका था। भारत के सिर्फ चार बल्लेबाज पहले न्यूजीलैण्ड में टी-२० खेल चुके हैं जिनमें कप्तान अय्यर, ईशान किशन, संजू सैमसन और शिवम दुबे शामिल हैं। अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा और वैभव सूर्यवंशी भले ही आक्रामक पारियां खेलने में माहिर हों लेकिन यहां की तेज और उछालभरी पिचों पर उन्हें ढलने में समय लग सकता है। अय्यर की कप्तानी की शुरुआत आयरलैण्ड और इंगलैण्ड के खिलाफ पराजय के साथ हुई और अब उनके सामने खुद को कठिन परिस्थितियों में साबित करने की चुनौती होगी। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू शृंखला २-२ से ड्रा खेली। अगर न्यूजीलैण्ड के खिलाफ शृंखला भी उसी तरह रहती है जैसे इंगलैण्ड के खिलाफ थी तो अय्यर पर दबाव बढ़ जायेगा। ऐसा माना जा रहा है कि दो साल बाद आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैण्ड में होने वाले टी-२० विश्वकप में वह भारत के कप्तान होंगे। वेस्टइण्डीज के खिलाफ घरेलू शृंखला खत्म होने के बाद भारत से लंबी उड़ान लेकर यहां पहुंचने पर अय्यर ने कहा कि उनकी टीम को अलग-अलग हालात में खेलने की आदत है। भारतीय टीम में चोटिल हरफनमौला हार्दिक पंड्या और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी नहीं हैं। बुमराह इस दौरे पर सिर्फ वनडे या टेस्ट खेलेंगे। सूर्यवंशी के खेलने की उम्मीद कम ही है लेकिन अभिषेक और सैमसन ने वेस्टइण्डीज के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद वापसी हुई है और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती फिट होकर टीम में लौटे हैं। हरफनमौला नीतिश कुमार रेड्डी और शिवम दुबे को अपनी उपयोगिता साबित करनी होगी। न्यूजीलैण्ड के कप्तान मिचेल सेंटनेर ने कहा कि शानदार बल्लेबाजों से भरी भारतीय टीम के लिए सपाट पिच बनाना सही रणनीति नहीं होती। उन्होंने उम्मीद जतायी कि ग्लेन फिलिप्स और फिन एलेन जैसे उनके आक्रामक बल्लेबाज भारतीयों पर भारी पड़ेंगे। न्यूजीलैण्ड के पास जैकब डफी, मैट हेनरी, एडम मिल्ने, लाकी फर्ग्युसन, काइल जैमीसन और ब्लेयर टिकनेर जैसे अच्छे गेंदबाज हैं।

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतिश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिंस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

न्यूजीलैण्ड : मिचेल सेंटनेर (कप्तान), फिन एलेन, मिचेल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कान्वे, जैकब डफी, लाकी फर्ग्युसन, जाक फोकेस, मैट हेनरी, बेवोन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ।

प्रसारण-दोपहर १२.३० बजेसे।

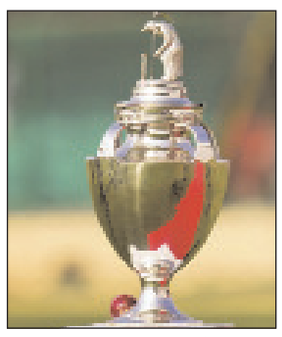
दिल्ली कैपिटल्सके अमित मिश्रा गेंदबाजी कोच बने

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल २०२७ के लिए भारत के पूर्व लेग स्पिनर अमित मिश्रा को स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के साथ मिश्रा उसी फ्रेंचाइजी में एक नयी भूमिका के साथ वापस लौटे हैं जहां से उन्होंने अपने आईपीएल सफर की शुरुआत की थी। ४३ वर्षीय मिश्रा ने सितम्बर २०२५ में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और अब वह पहली बार इस लीग में कोचिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। फ्रेंचाइजी के सोशल मीडिया हैंडल पर बुधवार को पोस्ट किये गये वीडियो में मिश्रा ने कहा मैं खुद को दिग्गज तो नहीं कहूंगा लेकिन आईपीएल में मेरा प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। दिल्ली दिलवालों की है। जब आईपीएल का पहला सीजन हुआ था, तब मैं दिल्ली का हिस्सा था। आज, जब मैं अपने कोचिंग करियर की शुरुआत कर रहा हूं, तो वह भी दिल्ली टीम के साथ ही है, इसलिए मैं बहुत खुश हूं।

मुम्बईकी लगातार दूसरी जीत

रणजी ट्राफी
हिमाचल प्रदेशको पारीसे हराया

बिलासपुर (एजेन्सियां)। मुम्बई ने बुधवार को यहां रणजी ट्राफी एलीट ग्रुप डी मैच में हिमाचल प्रदेश को पारी और ९७ रन से हराकर बोनस अंक के साथ लगातार दूसरी जीत दर्ज की। पहली पारी आठ विकेट पर ५२८ रन पर घोषित करने के बाद मुंबई ने पहली पारी में हिमाचल को १४० रन पर ढेर करके फालोआन के लिए मजबूर किया और फिर दूसरी पारी में भी टीम को २९१ रन पर ढेर करके आसान जीत दर्ज की। दूसरी पारी में मुंबई की ओर से तेज गेंदबाज मोहित अवस्थी ने ४४ रन देकर पांच विकेट चटकाये जबकि तुषार देशपांडे और शम्स मुलानी को दो-दो विकेट मिले। तेज गेंदबाज सिलवेस्टर डिसूजा ने एक विकेट हासिल किया। हिमाचल की ओर से कप्तान पुखराज मान ने ५० जबकि वैभव कांत्रा ने ६३ रन का योगदान दिया। हिमाचल की टीम अंतिम दिन तीन विकेट पर १४४ रन से आगे खेलने उतरी जिसके बाद मान और कांत्रा ने अर्द्धशतक पूरे किये। पहले मैच में चंडीगढ़ को पारी और १५५ रन से हराने वाली मुम्बई की टीम दो मैच में १४ अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर है। जयपुर में मेजबान राजस्थान को रेलवे ने ड्रा पर रोका। राजस्थान ने हालांकि पहली पारी की बढ़त के आधार पर तीन अंक हासिल किये। राजस्थान ने पहली पारी में ४९७ रन बनाये थे और फिर रेलवे को ३३८ रन पर समेटकर १५९ रन की बढ़त के आधार पर मेहमान टीम को फालोआन दिया। रेलवे ने जब दूसरी पारी में दो विकेट पर १७४ रन बनाये थे जब मैच ड्रा घोषित किया गया। दूसरी पारी में रेलवे के लिए मोहम्मद सैफ ने नाबाद १०३ जबकि ईशान गोयल ने नाबाद ५७ रन बनाऐ। इससे पहले ग्रुप के अन्य मुकाबलों में तमिलनाडु ने उत्तराखंड को पारी और ६६ रन जबकि हरियाणा ने चंडीगढ़ को पारी और २४ रन से हराया।



ओलम्पियन चिक्कन पहलवान की पत्नी मिथिला पाण्डेय का निधन

हरहुआ। ओलम्पियन लक्ष्मीकांत पांडेय उर्फ चिक्कन पहलवानकी धर्मपत्नी मिथिला पाण्डेय (९६ वर्ष) का बुधवार को उनके आवास कोइरीपुर खुर्द में निधन हो गया। मिथिला पाण्डेय ने सामाजिक कार्यकर्ताके रूपमें महिलाओं, बालिकाओंके सशक्तीकरण, स्वरोजगार, पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण, गरीबों, असहायों, दिव्यांगोंकी सेवा क्षेत्रमें सराहनीय कार्य किया। यही नहीं वह कुश्ती व खेल आयोजन को बढ़ावा देने का आजीवन लड़ाई लड़ती रहीं। वह अपने पीछे नाती-पोतों सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गयीं। उनके निधन की खबर पर सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता, भाजपा ने नेताओं कारमाइकल लाइब्रेरी से जुड़े वरिष्ठ कार्यकर्ता सहित क्षेत्रीयग्रामप्रधान, जिलापंचायत सदस्य, पहलवान, शिक्षक, वकील और महिला संगठनों ने पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शव यात्रा में हर क्षेत्र से सैकड़ों लोगों ने शामिल होकर अंतिम विदाई दी। मिथिला पांडेय का अंतिम संस्कार मणिकर्णिका घाट पर सम्पन्न हुआ। मुखाग्नि छोटे पुत्र कपिल नारायण पांडेय ने दी।

भुवी पूरा करेंगे गेंदबाजीमें अनुभव की कमी-श्रेयस



क्राइस्टचर्च (एजेन्सियां)। भारतीय टी-२० कप्तान श्रेयस अय्यर ने बुधवार को कहा कि हाल के दिनों में टीम के गेंदबाजी आक्रमण में अनुभव की कमी रही है और अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की वापसी से इसे दूर करने में मदद मिलेगी। भुवनेश्वर ने चार साल बाद भारतीय टी-२० टीम में वापसी की है। इस ३६ वर्षीय तेज गेंदबाज को न्यूजीलैण्ड के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी-२० शृंखलाके लिए टीम में शामिल किया गया है। अय्यर ने पहले मैच की पूर्व संध्या पर कहा कि भुवी की वापसी से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण को काफी अनुभव मिला है। आईपीएल के बाद हमें इसकी कमी खल रही थी क्योंकि टीम में काफी नये तेज गेंदबाजों को शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर ने पिछले दो वर्ष में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए वह जानते हैं कि इस प्रारूप में दबदबा बनाने के लिए क्या करना होता है।

सूर्यवंशी को रोकना मुश्किल होगा-सैंटनर

क्राइस्टचर्च (एजेन्सियां)। न्यूजीलैण्ड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने स्वीकार किया कि अगर वैभव सूर्यवंशी गुरुवारसे यहां शुरू होने वाली पांच मैचोंकी टी-२० शृंखला में भारतकी अंतिम एकादशमें जगह बनाते हैं तो उन्हें रोकना मुश्किल होगा लेकिन हमने इस युवा बल्लेबाज के लिए कुछ रणनीति तैयार की है। सूर्यवंशी को इस साल की शुरुआत में ब्रिटेन दौरे के लिए चुने जाने के बाद से बहुत कम मौके मिले हैं, क्योंकि नियमित सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। सैंटनर ने कहा कि वह (सूर्यवंशी) वेस्टइण्डीज के खिलाफ पिछली शृंखला में नहीं खेले थे लेकिन हमने आईपीएल में देखा है कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। लेकिन सूर्यवंशी की भूमिका भी काफी बड़ी है। अगर उन्हें इस शृंखला में खेलने का मौका मिलता है तो हम जानते हैं कि वह क्या कर सकते हैं।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल गुरुवार, 22 अक्टूबर 2026

मेष-	सुसमाचार की प्राप्ति, धनसम्पत्ति विषयक मसला हल, यात्रा का सुपरिणाम प्राप्त।
वृषभ-	आर्थिक उन्नति, कुछेक समस्याएं हल, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ, विरोधी परास्त।
मिथुन-	व्यक्तित्व का विकास, परिजन अनुकूल, सुसंदेश, विरोधी पराभूत, दर्शनीय स्थलों की यात्रा।
कर्क-	उत्साह में कमी, शत्रु प्रभावी, सम्बन्धों में कठोरता, प्रतिष्ठा पर आघात, यात्रा कष्टकर।
सिंह-	कार्य में विस्तार, संयम से सिद्धि, कार्यों में वृद्धि, सम्बन्धों में सुधार, मान-प्रतिष्ठा भी।
कन्या-	संकल्प सिद्धि, पदोन्नति, जिम्मेदारियों में व्यय, व्यक्तित्व का विकाय, यश-वृद्धि।
तुला-	योजना साकार, सामाजिक रुचि, दायित्व पूर्ति, मन में शांति, नवस्थलों की यात्रा।
वृश्चिक-	लाभ में कमी, अशांति का वातावरण, विवाद की आशंका, मित्रों से तनाव, यात्रा कष्टकर।
धनु-	आर्थिक सुधार, नवीन योजना की शुरुआत, स्थान परिवर्तन का कार्यक्रम, यात्रा सार्थक।
मकर-	निराशा समास, लाभ, आयोजन में सम्मिलित, बुद्धि का विकास, सामाजिक कृत्य संपन्न।
कुम्भ-	जनसंपर्क का लाभ, आर्थिक सुधार, सुसंदेश की प्राप्ति, यात्रा का प्रसंग, दाम्पत्य सुख।
मीन-	आंशिक सफलता, लाभ में कमी, सुख में बाधा, व्यर्थ भ्रमण, धनहानि की आशंका।

आज है जिनका जन्मदिन 22 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 22 का मूलांक 4 का स्वामी ग्रह राहु एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। आधुनिक विचारों वाले व्यक्ति होंगे। किसी भी विषय पर विचार करें लेकिन अपना विचार कब बदल देंगे कोई निश्चित नहीं रहेगा। जीवन संघर्षों से भरा रहेगा। कोई भी कार्य दूसरों से सलाह लेकर ही करेंगे। लेकिन स्वयं निर्णय नहीं ले पायेंगे। आपके जीवन में अप्रत्याशित घटनाएँ घटित होगी। प्रेम प्रसंगों में विफलता हाथ लगेगी। लेकिन दाम्पत्य जीवन संतोषजनक रहेगा। कार्य में किसी प्रकार का व्यवधान या विलम्ब पसन्द नहीं करेंगे। बाहरी आडम्बर एवं तड़क-भड़क की ओर झुकाव अधिक रहेगा। रचनात्मक गतिविधियों में भी आपकी रूचि रहेगी। इष्ट देवी-देवता की आराधना नियमित रूप से करें। जीवन में चित्र-विचित्र चमकीले रंगों से सम्बन्धित वस्तुओं का प्रयोग करें। शनिवार के दिन काले रंग की वस्तुओं का दान करें। हित के लिए असत्य बात का सहारा न लेवें। अहिंसा का पालन करें। सुख-समृद्धि व सफलता के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र	: ॐ रां राहुवें नमः	मास	: फरवरी, अक्टूबर एवं अक्टूबर
व्रत	: शनिवार	वर्ष	: 4, 13, 22, 31, 40, 49, 58, 67
दिन	: सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	: काला, भूरा एवं स्लेटी
दिनांक	: 4, 13, 22, 31	जन्मरत्न	: गोमेद उपरत्न : काला अकीक
अंक	: 1, 2, 7	जड़ी	: सफेद चन्दन की जड़ दिशा : आग्नेय

वर्ष का महत्वपूर्ण समय—21 मार्च से 28 अक्टूबर, 10 अक्टूबर से 20 अक्टूबर

यन्त्र

13	8	15
14	12	10
9	16	11

सुडोकू ४०९१

सरीका खेलने का : दिशाओं खेल और कमजों को खोलने है। तर्क से इसे हल कर सकते हैं। अब भी कुछ खानों के भी खाने दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्याएं इस तरह लिखनी है कि खड़ी और पड़ी लाइनों के प्रत्येक खाने में 1 से 9 की कभी संख्याएं आएं। खाना की 3x3 के प्रत्येक समूहों में भी 1 से 9 तक की संख्याएं हों। पहेली का हल कल देखें।

4								9
8			6					
					5	1		
							6	8
	2				3			
								4
		5				2		
			4	3				
	7			8				

8	7	6	4	5	9	2	3	1
5	3	1	6	7	2	4	8	9
4	2	9	3	1	8	5	7	6
1	6	4	7	2	5	8	9	3
9	5	3	1	8	4	7	6	2
2	8	7	9	3	6	1	4	5
3	4	2	8	6	1	9	5	7
6	1	8	5	9	7	3	2	4
7	9	5	2	4	3	6	1	8

हल : ४०९०